जवान की शहादत के बाद मां-बाप के जीवन में स्थायी तौर पर पसर जाता है अकेलापन

जगदलपुर। सुरक्षाबल के जवान की शहादत के बाद पत्नी और बच्चों को तो सरकारी मदद हासिल हो ही जाती है, लेकिन शहीदों के माता-पिता का जो सहारा छीन जाता है उस खालीपन को भरने के लिए न तो सरकार आती है न ही ऐसी किसी योजना का लाभ उन्हें मिल पाता है। ऐसी ही एक शहीद की माता की जिंदगी में हमारे संवाददाता ने झांका तो पता चला कि बेटे की शहादत के बाद से कुछ दिनों तक तो सामाजिक तौर पर सम्मान मिलता रहा, धीरे-धीरे लोग दूर होते चले गए। अब सिर्फ अतीत की यादें और अकेलापन ही इस मां के आंगन में स्थायी तौर पर बिखरा हुआ है। शहर के छह किमी दूर बसे धोबीगुड़ा में एक बच्चे मकान में गुजर-बसर करने वाली शहीद मोतीराम बघेल की माता निवास कर रही है। मोती राम 20 फरवरी 2000 को नारायणपुर में माओवादी हमले में शहीद हो गए थे। उन्हें सरकार से 10 हजार रूपए मुआवजा भी दिया गया, पर माता के हिस्से में सिर्फ मायूसी ही आई। शहीद बेटे मोती राम का जिक्र करते ही माता कनका बघेल के आंखों में आंसू छलक पड़ते है। चर्चा में उसने बताया कि आज तक सरकार बस माओवादियों की कड़ी निंदा करती आ रही है। उनसे बदला नहीं लेती है। इसी तरह शहीद दिवस व राजकीय पर्व पर तक में उन्हें याद तक नहीं करती है। करीब 70 साल की इस उम्र में जब उन्हें सहारे की जरूरत है वे लड़खड़ाती हुई अपना जीवन बसर कर रही है।

तेंदूपत्ता संग्रहण दर 1500 से बढ़कर हुई 1800 रूपये प्रति मानक बोरा

हरा सोना के बढ़े दाम ने संग्राहकों में जगाई खुशिया

कोरबा। कोरबा जिले में अब तक एक लाख 20 हजार 27 मानक बोरा तेंदूपत्ता की आवक दर्ज की गई है। एक मानक बोरा में एक हजार गड्डियां होती है। जिले में यह कार्य एक मई से प्रारंभ हुआ है। चालू सीजन में कटघोरा एवं कोरबा वनमण्डल के अंतर्गत एक लाख 31 हजार मानक बोरा संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। कोरबा जिले में 82 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के जरिये इसका संग्रहण किया जाता है। इनमें कोरबा वनमण्डल में 38 एवं वनमण्डल कटघोरा वनमण्डल के 44 समितियां शामिल हैं। कोरबा वनमण्डल के अंतर्गत फड़ की संख्या 281, कटघोरा के अंतर्गत 474 इस तरह जिले में कुल 755 फड़ स्थापित किये गये हैं। मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह द्वारा तेंदूपत्ता प्रति मानक बोरा राशि 1500 रूपये से बढ़ाकर 1800 रूपए किए जाने की घोषणा ने संग्राहकों में खुशियां ला दी है। संग्राहकों को जब से मालूम हुआ है कि राशि प्रति मानक बोरा बढ़ाई गई है वे तेंदूपत्ता तोड़ने और उसे फड़ मुंशी तक खपाने में अपनी रूचि दिखा रहे है। वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों के लिये तेंदूपत्ता अर्थात हरा सोना के प्रति मानक बोरा की दर में हुई बढ़ोत्तरी ने खुशियां जगा दी है। गर्मी के दिनों में जब उनके पास खेतों और घरों में कोई काम नही होता तब इसी तेंदूपत्ता का संग्रहण उन्हें मेहनत एवं संग्रहण के आधार पर कुछ रूपये कमाने का अवसर देता है। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड की ग्राम रावा की रतिया बाई और शांति बाई अपने आसपास के जंगलों से तेंदूपत्ता संग्रहण कर उसे समिति में बेचने का कार्य पिछले वर्षों से कर रही है। एक सीजन में ढाई से तीन हजार रूपए तक कमाई करने वाली इन संग्राहिकाओं का कहना है कि वे सुबह से शाम तक पत्ते तोड़कर उसे बण्डल बनाती हैं, फिर समय निकाल कर पास के फड़ में बेच आती है। गर्मी के दिनों में उनका अधिकांश समय जंगल में ही गुजरता है। ग्राम रावा की रहने वाली पंडो जनजाति की सिरमति बाई का ने बताया कि वह अपने बहू के साथ कई साल से तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य कर रही है। घर में सात सदस्य है। सभी जंगल नही जा पाते लेकिन समय मिलने पर आसपास ही तेंदूपत्ता तोड़कर इकट्ठा करते है। उसने संग्राहकों के हित में 1500 की राशि 1800 रूपए प्रति मानक बोरा किए जाने पर गरीब संग्राहकों को इससे फायदा होने की बात कही। पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम रावा में रहने वाली छात्रा कु. उमा देवी हॉस्टल में रहकर कक्षा बारहवी की पढ़ाई करती है। उसका कहना है हास्टल से छुट्टी के बाद घर आती है तब गांव में तेंदूपत्ता संग्रहण करती है। इससे गर्मी के दिनों में कुछ कमाई हो जाती है। एक-एक पत्तों को तोड़कर बण्डल बनाने में मेहनत लगता है। शासन ने संग्राहकों के परिश्रम का महत्व को समझते हुए राशि बढ़ाई है जा सराहनीय है। फड मुंशी बसंतराम ने कहा कि गर्मी के दिनों में कई घरों में शादी विवाह होता है। ग्रामीण कर्ज में डूबे होते है। तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से अतिरिक्त राशि की प्राप्ति होती है, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ पहुंचता है। इस प्रकार तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिये प्रति मानक बोरा दर में वृद्धि से जिले के वनांचल में रहने वाले सभी तेंदूपत्ता संग्राहकों को हर्ष की अनुभूति हुई है।

मुख्यमंत्री ने डोंगरगढ़ मंदिर परिसर अग्नि दुर्घटना पर दुःख व्यक्त किया

रायपुर। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध तीर्थ डोंगरगढ़ के बम्लेश्वरी मंदिर परिसर में हुई अग्नि दुर्घटना में एक महिला दुकानदार की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने आज यहां जारी शोक संदेश में दिवंगत महिला के परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। डॉ. सिंह ने इस अग्नि दुर्घटना में 14 दुकानों क्षतिग्रस्त होने पर भी अफसोस जताया है। डॉ. सिंह ने राजनांदगांव जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दिवंगत के महिला के परिवार को और पीड़ित दुकानदारों को नियमानुसार समुचित मुआवजा दिया जाए। डॉ. सिंह ने मंदिर परिसर में अग्नि दुर्घटना से बचाव के लिए भी अधिकारियों को जरूरी उपाय करने के निर्देश दिए हैं। ज्ञातव्य है कि कल दोपहर मंदिर परिसर के क्षीरपानी मार्ग में रोपवे के नीचे की दुकानों में अचानक आग फैल गयी। बताया गया है कि एक महिला की दुकान में रखे गैस सिलेण्डर के अचानक फटने पर यह हादसा हुआ।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर छग आंगनबाड़ी सहायिका,संयुक्त संघर्ष समिति का एक दिवसीय धरना

प्रदेश स्तरीय धरना में कार्य-कर्ताओं का जंगी प्रदर्शन, मुख्यमंत्री को सौंपेंगे ज्ञापन

रायपुर। छग आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त संघर्ष समिति की हजारों महिलाओं ने आज बूढ़ापारा धरना स्थल में तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जंगी प्रदर्शन किया। संघ की प्रांताध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी डहरिया श्रीमती रूखमणी सगान एवं श्रीमती पदमावती साहू से चर्चा करने पर तीनों ने बताया कि हमारी प्रमुख मांगें है न्यूनतम मानदेय 18000 रू दिया जावे। शासकीय कर्मचारी घोषित कर शासकीय सुविधाऐं दी जाए, सेवा समाप्ति के बाद एक मुश्त राशि दी जाये या सेवा समाप्त करने की अवधि ही समाप्त की जाए। इन तीन सूत्रीय मांगों को लेकर पूर्व में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ छग प्रदेश आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ एवं छग जूझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ के सदस्यों ने मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास तथा मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांगें पूर्ण करने का आग्रह किया था किन्तु प्रांताध्यक्षों के अनुसार उन्हें केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग का संविदा कर्मी बताकर मांगें पूर्ण करने से इंकार किया गया था। श्रीमती डहरिया श्रीमती रूकमणी एवं श्रीमती साहू ने दोपहर 1 बजे के बाद विशाल रैली निकालकर मुख्यमंत्री निवास घेराव करने की जानकारी देते हुये ज्ञापन सौंपने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मांगें पूर्ण नहीं हुई तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ इस बार आरपार की लड़ाई लड़ने की तैयारी से प्रदेश स्तरीय धरने में आया है।

बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग में आधी रात बलवा

दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

महासमुंद। रेत उत्खनन को लेकर बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग 353 ग्राम बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग के समीप भंडापुरी निवासी दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। इस लड़ाई में 6 से 7 लोग घायल हो गए। इधर उक्त घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच मामला शांत कराते हुए घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गया। इधर प्रार्थी की रिपोर्ट पर 10-11 लोगों के खिलाफ बलवा का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भंडारपुरी निवासी द्वारकादास गुरू पिता दयावंत गुरू (52) अपने वाहन क्रमांक सीजी 04 केवाय-4710 से रेत ठेका के संबंध में चर्चा करने नांदगांव आया था जो बातचीत कर वापस अपने गांव जा रहा था कि राष्ट्रीय राजमार्ग 353 ग्राम बेलसोंडा रेलवे क्रासिंग के समीप भंडारपुरी निवासी खुशवंत गुरू, लगा बघेल, उपेन्द्र भारती एवं अन्य 5 से 7 लोग रास्ता रोककर आरंग थाने में पुराने विवाद को लेकर रिपोर्ट लिखने की बात पर डंडा से मारपीट कर चोंट पहुंचाया एवं जान से मारने की धमकी दिया। उसी समय घटना स्थल से गुजर रहे बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 25-1843 में सवार होकर चालक महेश वर्मा, मनीष ठाकुर, शिव नंदन, रिषी कुमार ठाकुर को प्रार्थी के साथ समझकर उनके साथ भी मारपीट कर चोट पहुंचाया है। इधर पुलिस को सूचना मिलते ही घटना स्थल पहुंच मारपीट शांत कराया। पुलिस ने बलवा कांड में संलिप्त एक आरोपी लगा बघेल को पुलिस ने मौके पर से गिरफ्तार किया है। वहीं कांड में संलिप्त सभी आरोपियों की पुलिस पतासाजी कर रही है।

प्रो. शाही बिलासपुर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त

राजभवन सचिवालय से आदेश जारी

रायपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति बलरामजी दास टंडन द्वारा प्रो. सदानन्द शाही को बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर का कुलपति नियुक्त किया गया है। राज्यपाल के सचिव अशोक अग्रवाल द्वारा आज यह आदेश जारी किया गया। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 (क्रमांक 22, 1973) की धारा 13 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। प्रो. शाही वर्तमान में हिन्दी विभाग कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में कार्यरत है।

राज्यपाल टंडन से शिल्पकार ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल बलरामजी दास टंडन से आज यहां राजभवन में धमतरी जिले के शिल्पकार श्री मनोज कुमार गंगबेर ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने श्री टंडन को पत्थर से तराशी गई स्वनिर्मित मूर्ति भेंट की। राज्यपाल ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी। श्री गंगबेर ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से पत्थर की मूर्तियां बना रहे हैं और उन्हें इस हेतु अनेक पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

कमिश्नरी बंद करने का निर्णय गलत : छाया वर्मा

रायपुर। जीएसटी काउंसिल द्वारा बिलासपुर में कमिश्नरी कार्यालय बंद करने के निर्णय की राज्यसभा सांसद छाया वर्मा ने निंदा की है। उन्होंने इसका विरोध करते हुए कहा है कि बिलासपुर कमिश्नरी बंद होने से सरकार को प्रतिवर्ष करोड़ों का नुकसान होगा। कांग्रेस भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा ने बताया कि बिलासपुर कमिश्नरी से राज्य सरकार को प्रतिवर्ष 8499 करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है। लेकिन इस निर्णय के बाद शासन को राजस्व की हानि का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा बिलासपुर संभाग के व्यापारियों को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। श्रीमती वर्मा ने बताया कि जहां चार आयुक्त कार्यालय खोले जाने की आवश्यकता है, वहां सरकार कार्यालय न खोलकर और बंद करने जैसा निर्णय ले रही है, यह गलत है। एक ही कार्यालय रहने से व्यापारियों को काफी दिक्कत होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियां और मौजूदा हालात ऐसे है कि व्यापारियों के हितों में और कामकाज को सुचारू बनाए रखने के लिए नए कार्यालय खोले जाने की आवश्यकता है। लेकिन राज्य सरकार अदूरदर्शी निर्णय लेते हुए जीएसटी की काउंसिल में उल्टे बिलासपुर कमिश्नरी को बंद करने जैसा कदम उठाने का निर्णय ले चुकी है। उन्होंने कहा कि इससे जहां करोड़ों रूपए के राजस्व का नुकसान होना तय है तो वहीं हजारों व्यापारियों को भी एक कार्यालय के भरोसे रहने से समय और पैसे की बर्बादी निश्चित है, इसके अलावा कामकाज भी अस्त-व्यस्त होने की पूरी आशंका है।

प्रदेश में मिलेगी प्लास्टिक इंजीनियरिंग की शिक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित केन्द्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग और टेक्नॉलाजी संस्था (सिपेट) को चालू शैक्षणिक सत्र 2017-18 से बी.ई. के संचालन के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) नई दिल्ली द्वारा मंजूरी दे दी गयी है। होनहार विद्यार्थियों को अब अपने ही प्रदेश में प्लास्टिक इंजीनियरिंग की उच्च शिक्षा मिलेगी । यह संस्थान स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सी एस वी टीयू) छत्तीसगढ़ से भी संबद्ध है। चालू शिक्षा सत्र से 60 सीटों के लिए विधार्थियों का चयन पीईटी के माध्यम होगा । यह संस्थान राजधानी रायपुर के नजदीक भनपुरी में स्थित है। संस्थान में प्लास्टिक इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र में डिप्लोमा, पोस्ट डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम संचालित किए जाते है । संस्थान में कुछ डिप्लोमा पाठ्यक्रम और कौशल उन्नयन के अल्प कालीन पाठ्यक्रम की शुरूआत की गयी है। संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों के लगभग 1100 से ज्यादा युवाओं को मुख्यमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम के तहत बहुलक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रोजगार और विकास के लिए नई दृष्टि प्रदान करने की शुरूआत की गयी है। प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को शैक्षणिक और रोजगार मूलक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने तकनीकी सहायता सेवा प्रदान करने में यह संस्थान महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

प्रतिभा विकास शिविर धूमधाम से संपन्न

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) और बालको महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रतिभा विकास शिविर धूमधाम से संपन्न हुआ। बालकोनगर के सेक्टर-1 स्थित प्रगति भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि कोरबा कलेक्टर श्री दयानंद पी. की धर्मपत्नी डॉ. शैलजा पांडेय थीं। कोरबा पुलिस अधीक्षक श्री डी. श्रवण की धर्मपत्नी श्रीमती पालोमी श्रवण व वनमंडलाधिकारी श्री विवेकानंद झा की धर्मपत्नी श्रीमती राधा झा विशिष्ट अतिथियों के तौर पर मौजूद थीं। अतिथियों ने बालकों के आयोजन की सराहना की। डॉ. पांडेय ने बालको महिला मंडल तथा बालको प्रबंधन को उत्कृष्ट आयोजन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दृष्टि से आयोजन बहतरीन है। टीवी से दूर रहते हुए गर्मी की छुट्टियों का रचनात्मक उपयोग बच्चे कर पाते हैं। उन्होंने बच्चों और महिलाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। श्रीमती पालोमी श्रवण ने बताया कि उन्हें पहले भी बालको महिला मंडल आयोजित कार्यक्रमों में भागीदारी का अवसर मिल चुका है। उन्होंने बालको महिला मंडल के सहयोग से आयोजित शिविर की खूब प्रशंसा की। इस अवसर पर श्रीमती राधा झा, बालको महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अनिता शर्मा व पदाधिकारी श्रीमती रूचि कुलश्रेष्ठ ने समस्त प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। बालको के कंपनी संवाद एवं सामुदायिक विकास प्रमुख श्री आशीष रंजन ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि प्रतिभागियों ने अनेक नई कलाएं सीखीं। उन्होंने कहा कि बालको प्रबंधन विभिन्न कलाओं और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने आयोजन में सहयोग के लिए बालको महिला मंडल और समस्त प्रशिक्षकों को साधुवाद दिया। कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला से लाभान्वित प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम के निर्णायकों सुश्री मधुरम अपराजिता, सुश्री सुकृति गुहा और श्री कपिल मल्होत्रा को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। इसके अलावा पाक कला के प्रतिभागियों की ओर से तैयार विभिन्न व्यंजनों की एक प्रदर्शनी लगाई गई। पाक कला प्रदर्शनी के निर्णायक मंडल में शामिल श्रीमती अनिता शर्मा, श्रीमती रूचि कुलश्रेष्ठ और श्रीमती कुमुद रंजन ने विभिन्न मानकों के आधार व्यंजनों को अंक दिए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पाक कला प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। शिविर के सभी प्रशिक्षकों तथा प्रतिभा विकास शिविर में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं ने प्रशिक्षक अमित कार्सेल के निर्देशन में अपनी नृत्य कला की प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मार्शल आर्ट प्रशिक्षक श्री सियाराम बंजारे के नेतृत्व में बच्चों और महिलाओं ने आत्मरक्षा के तरीकों का प्रदर्शन किया। डॉ. पांडेय, श्रीमती श्रवण व श्रीमती झा को बालको प्रबंधन और बालको महिला मंडल की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अतिथियों ने शिविर के आयोजन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वयंसेवकों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली पब्लिक स्कूल के शिक्षक श्री भास्कर चौधुरी ने किया।

शराब दुकान के लिए नई जगह तलाश रहे तहसीलदार और पटवारी

बिलासपुर। नगर पंचायत सकरी में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर वहां के नागरिक आंदोलन कर रहे हैं। इधर शराब दुकान के लिए तहसीलदार भूपेंद्र जोशी और पटवारी नई जगह की तलाश करते रहे। कई स्थानों का निरीक्षण किया। दुकान किस स्थान पर खोला जाएगा, यह अभी तय नहीं हो सका है। कोटा एसडीएम को अभी रिपोर्ट नहीं दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित वार्ड के पार्षद व नगर पंचायत से मंजूरी ली जाएगी। रविवार को प्रभारी कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य व एसडीएम की उपस्थिति में आंदोलनकारियों से चर्चा हुई थी। आधे घंटे की चर्चा के दौरान कोई नतीजा नहीं निकला। जिला प्रशासन ने शराब दुकान हटाने और ग्रामीणों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग पर कहा, कि दोनों मामलों का शासन स्तर पर निराकरण होगा। इसलिए, इसमें प्रशासनिक तौर पर कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया। वहीं आंदोलन समाप्त करने के प्रस्ताव पर आंदोलनकारियों ने प्रशासन को सकारात्मक जवाब नहीं दिया। इससे शराब दुकान हटाने और एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर नागरिकों का सत्याग्रह अब भी जारी है।

पति को दवाई लेने भेजकर चंपत हुई नवब्याहता

कोरबा। अभी विवाह को एक माह पूरे भी नहीं हुए हैं कि पति को चकमा देकर नवब्याहता पत्नी चंपत हो गई। परेशान ससुराल और मायके पक्ष ने थाना पहुंचकर गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर निवासी एक युवती का विवाह इसी वर्ष 5 मई को ग्राम पाथा निवासी राजेश श्रीवास के साथ संपन्न हुआ। ससुराल आई युवती को चौथिया की रस्म निभाने परिजन अपने साथ मायके ले गये थे। 20 मई को ससुराल वाले उसे मायके से लेकर ग्राम पाथा लौटे। परिजनों सहित दंपति भी राजी-खुशी से थे। बताया गया कि 21 मई को सुबह राजेश अपनी नवब्याहता पत्नी को लेकर खरीदारी करने कटघोरा बाजार गया था, गहनों से लदी नवब्याहता ने बस स्टैंड में खरीदारी करने के दौरान पति से कहा कि उसकी तबियत कुछ अच्छी नहीं लग रही, मेडिकल स्टोर से जाकर दवाई ले आओ। राजेश दवाई लेने गया और बमुश्किल 10 मिनट बाद लौटा तो पत्नी गायब मिली। अपने स्तर पर काफी तलाश करने के बाद परिजनों व ससुराल वालों को सूचना दी। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ दोनों पक्ष के परिजनों ने थाना पहुंचकर गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई है।

जजों ने सड़क को बनवाया, निगम ने खोदा

क्या था मामला

व्यापार विहार की दो किलोमीटर रोड बनने के बाद गारंटी पीरियड (परफार्मेंस गारंटी) के दौरान ही कई जगहों से उखड़ गई थी। इसे लेकर ठेकेदार साईं कंस्ट्रक्शन और निगम अधिकारियों के बीच का विवाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया। जहां जजों की निगरानी में इस सड़क की मरम्मत कराने के आदेश पारित हुए थे। विधिक सेवा प्राधिकरण में पदस्थ जजों ने खुद खड़े होकर इस सड़क की मरम्मत कराई है। ठेकेदार ने जैसे ही अपना काम पूरा किया वैसे ही यहां सीवरेज की खुदाई शुरू हो गई।

बिलासपुर। महाराणा प्रताप चौक से तारबाहर तक जिस व्यापार विहार रोड को हाईकोर्ट के निर्देश पर जजों ने खुद खड़े होकर मरम्मत कराई थी, उसे बनने के दूसरे ही दिन निगम ने खुदाई शुरू कर दी। यहां मुख्य रोड में सीवरेज की पाइप लाइन डाली जा रही है। इसके अलावा पूरी सड़क पर दोनों ओर प्रापर्टी चेंबर बनाने के लिए सड़क को खोदना बाकी है। हाईकोर्ट के निर्देश पर विधिक सेवा प्राधिकरण में पदस्थ जजों की निगरानी में व्यापार विहार रोड की मरम्मत पिछले 15 दिनों से चल रही थी। यहां ठेकेदार ने जैसे ही अपना काम पूरा किया दूसरे ही दिन निगम के सीवरेज की टीम ने यहां खुदाई शुरू कर दी है। महाराणा प्रताप चौक के पास नगर निगम की कॉलोनी के तरफ मुख्य रोड में पाइप लाइन डालने के लिए फिर खुदाई चल रही थी। इसी जगह पर ठेकेदार ने कुछ दिन पहले गड्ढों को पाटकर उसके ऊपर डामरीकरण किया था। सीवरेज के कारण फिर सड़क यहां जस की तस हो गई। इसे सिर्फ शुरुआत मानी जा रही है। यहां सीवरेज के ठेकेदार ने सड़क के दोनों ओर प्रापर्टी चेंबर भी नहीं बनाया है। अब उनका एक दल पूरी सड़क में खुदाई करने की तैयारी कर रहा है। इस तरह एक तरफ सड़क बन रही थी तो दूसरी तरफ उसे खोदने की तैयारी हो रही थी। सीवरेज के ठेकेदार ने भी पहले यहां सड़क की मरम्मत होने दिया फिर उसे बर्बाद करने का काम चालू किया। इससे फिर यहां यातायात को लेकर दिक्कत खड़ी हो गई है।

पत्नी की गला दबाकर हत्या, आरोपी फरार

रायपुर। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के इंदिरा कालोनी में कल सुबह एक शराबी ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इंदिरा कालोनी मंदिर हसौद निवासी आरोपी सुखीराम भावड़े शराब पीने का आदी है। रविवार रात भी आरोपी शराब के नशे में घर पहुंचा और अपनी पत्नी पीलिया उर्फ पीना बाई 45 वर्ष से गाली-गलौच कर मारपीट करने लगा। रोज-रोज होने वाली मारपीट से भयभीत पीलिया उर्फ पीना बाई घर से निकलकर पड़ोसी के घर चली गई और रात में पड़ोसी के घर ही रूक गई। सुबह होने पर पीलिया बाई वापस घर लौटी तो आरोपी भड़का हुआ था। रात में घर से चले जाने के कारण आरोपी ने फिर से पीलिया के साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी और गुस्से में आकर गला दबाकर पीलियाबाई की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी घर से भाग निकला, और कहीं से अपने दामाद राजेश कुमार को फोन कर पत्नी की हत्या कर देने और घर में शव होने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है, विवेचना शुरू कर दी है।